

Exam. Code : 103201

Subject Code : 1018

B.A./B.Sc. Semester—I

HINDI ELECTIVE

(Aadhunik Kavita, Vyakaran Tatha Anuvad)

Time Allowed—3 Hours]

[Maximum Marks—100

नोट :— यह प्रश्नपत्र तीन खण्डों में विभक्त है। निर्देशानुसार उत्तर दें।

खण्ड—एक

नोट :— निम्नलिखित सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। 20

1. अर्थ के आधार पर संज्ञा के कितने भेद हैं ?
2. व्यक्तिवाचक संज्ञा से क्या अभिप्राय है ?
3. सर्वनाम को परिभाषित करें।
4. पुरुषवाचक और निजवाचक सर्वनाम में क्या अंतर है ?
5. सार्वनामिक विशेषण किसे कहते हैं ?
6. विधेय विशेषण की उदाहरण सहित परिभाषा दें।
7. प्रेरणार्थक क्रिया से क्या अभिप्राय है ?
8. नाम धातु क्रिया को परिभाषित करें।
9. निम्नलिखित शब्दों से भाववाचक संज्ञा बनाएं :-
 (i) अहम
 (ii) पराया।

10. निम्नलिखित विशेषण शब्दों से भाववाचक संज्ञा बनाएं :-
- चतुर
 - कुलीन।
11. निम्नलिखित शब्दों का हिन्दी में अनुवाद करें :-
- Acceptance
 - Bond
 - Joint
 - Revision
 - Census
 - Illegal
 - Training
 - Minor
 - Honorable
 - Vacancy.

खण्ड-दो

नोट :- यह खण्ड दो उपखण्डों में विभाजित है। निर्देशानुसार उत्तर दें।

उपखण्ड-क

नोट :- निम्नलिखित पद्यांशों में से किन्हीं तीन की सप्रसंग व्याख्या करें।

6×3=18

- कितने प्याले हिल जाते हैं,
गिर मिट्टी में मिल जाते हैं,
जो गिरते हैं कब उठते हैं
पर बोलो टुटे प्यालों पर
कब मदिरालय पछताता है।

(ii) रह्यो रुधिर जब आरज सीसा ।

ज्वलित अनल समान अवनीसा ।।

साहस बल इन सम कोउ नाहीं ।

तब रह्यो महिमंडल माहीं ।।

कहा करी तकसीर तिहारी ।

रे विधि रुष्ट याहि की बारी ।।

(iii) तपस्वी ! क्यों इतने हो क्लान्त ? वेदना का यह कैसा वेग ?
आह ! तुम कितने अधिक हताश बताओ यह कैसा
उद्वेग ? हृदय में क्या है नहीं अधीर, लालसा जीवन
की निश्शेष ? कर रहा वंचित कहीं न त्याग तुम्हें मन
में धर सुन्दर वेश ।

(iv) हल्दी घाटी के शिलाखण्ड,
ऐ दुर्ग ! सिंहासन के प्रचण्ड
राणा ताना का कर घमण्ड
दो जगा आज स्मृतियां ज्वलंत
वीरों का कैसा हो वसन्त ?

उपखण्ड-ख

नोट :— निम्नलिखित प्रश्नों में से पांच प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है, जिनमें से दो प्रश्न कवि परिचय और कविताओं में से और दो प्रश्न अनुवाद और पत्रलेखन में से देना अनिवार्य है।

6×5=30

1. 'मैथिलीशरण गुप्त' राष्ट्रकवि हैं ? सिद्ध कीजिए।
2. सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' का कवि परिचय दीजिए।

3. 'भारत-दुर्दशा' कविता का मूल प्रतिपाद्य स्पष्ट करें।
4. माखनलाल चतुर्वेदी की काव्यगत विशेषताएं स्पष्ट करें।
5. औपचारिक. पत्र के विभिन्न भागों पर चर्चा करें।
6. पत्र कितने प्रकार के होते हैं ?
7. अनुवाद की परिभाषाएं बताएं।
8. आज के दौर में अनुवाद के क्या लाभ हैं ?

खण्ड-तीन

नोट :— निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो का उत्तर दें।

16×2=32

- (i) 'काव्य पथ' पाठ्य-पुस्तक में संकलित जयशंकर प्रसाद की कविताओं के आधार पर जयशंकर प्रसाद के काव्य की विशेषताएं बताएं।

अथवा

अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध का कवि परिचय दें।

- (ii) अनुवाद का अर्थ बताते हुए उसकी उपयोगिता पर प्रकाश डालें।

अथवा

अपने मित्र/सहेली को अपने भाई के विवाह के लिए निमंत्रण पत्र लिखें।